अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : सातवीं – जैन धर्म कोविद (परीक्षा 12 जुलाई, 2015)

समय : 3 घण्टे   अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) ....

(शब्दों में) ....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	7	8	कुल योग
प्राप्तांक									
पूर्णांक	10	10	10	10	24	9	15	12	100
पुनः जाँच									

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) 'उद्देसियं' का अर्थ है -

(क) साधु के लिए खरीदा गया अशन (ख) साधु को देने के लिए बनाया गया आहार

(ग) सामने लाकर दिया गया आहार (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(b) 'संचल नमक' आदि कहलाता है -

(क) सामुद्दे (ख) रोमालोणे

(ग) सोवच्चले (घ) कालालोणे ( )

(c) नालिए का अर्थ है -

(क)पासो से खेल खेलना (ख) जुआ खेलना

(ग) छत्र धारण करना (घ) मसलना ( )

(d) तप के उपलक्ष्य में भौतिक वृद्धि प्राप्त करने का संकल्प कहलाता है -

(क) अधर्मी (ख) महारम्भी

(ग) चक्रवर्ती (घ) निदान ( )

(e) अकर्मभूमि के क्षेत्र होते हैं -

(क) 30 (ख) 20

(ग) 15 (घ) 10 ( )

(f) संवर तत्व के जघन्य व उत्कृष्ट भेद होते हैं -

(क) 20 व 47 (ख) 20 व 57

(ग) 20 व 48 (घ) 20 व 22 ( )

(g) द्रव्य ऊनोदरी के भेद होते हैं -

(क) 14 भेद (ख) 6 भेद

(ग) 2 भेद (घ) 3 भेद ( )

(h) प्रशस्तकाय विनय के भेद होते हैं-

(क) 12 (ख) 7

(ग) 6 (घ) 2 ( )

(i) व्युत्सर्ग का अर्थ है -

(क) त्याग (ख) संकल्प

(ग) अनर्थ (घ) अशुभ ( )

(j) छठा प्रतिहार्य है -

(क) पुष्प वृष्टि (ख) भामण्डल

(ग) दिव्य ध्वनि (घ) स्फटिक सिंहासन ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- 10x1=(10)

(a) मल शोधन के लिए तेल, गुटिका या एनिमा लेना साधु के लिए अनाचरणीय है। ( )

(b) गृहस्थ के थाल कटोरे आदि बर्तनों में भोजन करना साधु के लिए आचरणीय है। ( )

(c) दुष्कर तप नियमों का आचरण करके साधक उच्च देवलोक में उत्पन्न होते हैं। ( )

(d) भिक्षु प्रतिमा का पालन दशाश्रुतस्कन्ध की सातवीं दशा है। ( )

(e) पुण्य का बांधना सरल है भोगना कठिन है। ( )

(f) कर्मभूमि में विवाह नहीं होते। ( )

(g) रूपी अजीव के 30 भेद और अरूपी अजीव के 530 भेद होते हैं। ( )

(h) गोत्र कर्म की एक प्रकृति नीच गोत्र होती है। ( )

(i) भक्तामर स्तोत्र से भयानक रोग से पीड़ित रोगी भी ठीक हो जाते हैं। ( )

(j) संसार भावना नमिराज ऋषि ने भाई थी। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- 10x1=(10)

(a) मैं आत्म कल्याण साधना में बाधक हूँ। ....

(b) मैंने आश्रव भावना भाई थी। ....

(c) मैं वह पुण्य हूँ जो जगह - मकान देने से बंधता हूँ। ....

(d) मैं वह पाप हूँ जो दूसरों की निन्दा-बुराई करने बंधता हूँ। ....

(e) मैं माया कपट अर्थात् सरल परिणामों वाला हूँ। . ...

(f) मुझे समझाने के लिए मोदक का दृष्टान्त दिया जाता है। ....

(g) मेरा स्मरण करने से भयानक समुद्र में फँसे हुए जहाज में स्थित पुरुष भी आसानी से पार चले जाते हैं। ....

(h) मैं जम्बूद्वीप के भरत क्षेत्र की मर्यादा करने वाला पर्वत हूँ ....

(i) मैं वह स्वाध्याय हूँ जो सीखे हुए ज्ञान को बार-बार फेरता हूँ ....

(j) मैं वह प्रायश्चित का दोष हूँ जो दूसरों को लुभाने के लिए जोर-जोर से बोलकर आलोचना करता हूँ। ....

प्र.4 निम्नलिखित जोड़ियाँ मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए : - 10x1=(10)

(a)	धूअमोहा	-	मृगापुत्रजी	....
(b)	पलियंकए	-	छल कपट करने से लगने वाली क्रिया	....
(c)	अन्यत्व भावना	-	पलंग का उपयोग	....
(d)	माया वत्तिया	-	मोह को अलग हटाने वाले	....
(e)	भामण्डल	-	दावाग्नि	....
(f)	कल्पान्तकाल	-	शिष्यादि की जांच के लिए दोष लगाना	....
(g)	विमर्श	-	प्रतिहार्य	....
(h)	संवाहणा	-	जुलाब लेना	....
(i)	विरेयणे	-	तेगिच्छं	....
(j)	सावद्य चिकित्सा	-	मर्दन करना	....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए - 12x2 = (24)

(a) अनाचीर्ण किसे कहते हैं ?

....

....

(b) निदान का फल कैसा होता है ?

....

....

(c) दत्ति का अर्थ क्या है ?

....

....

(d) प्रतिमाधारी किन-किन कारणों से बोलते हैं ?

....

....

(e) श्री कृष्ण आगामी चौबीसी में 12वें तीर्थकर बनेंगे, ऐसी जानकारी होने पर भी साधु साध्वियों ने उन्हें वंदन क्यों नहीं किया ?

....

....

(f) दस भवनपति देवों के नाम लिखिए।

....

....

(g) भिक्षाचर्या का दूसरा नाम क्या है ?

....

....

(h) प्रायश्चित्त के दस भेदों में पारांचिकार्ह का क्या अर्थ है ?

....

....

(i) चारित्र विनय के 5 भेद लिखिए।

....

....

(j) वैयावच्च का क्या अर्थ है ?

....

....

(k) कायक्लेश तप के तेरह भेदों में अणिट्ठूहए का क्या अर्थ है?

....

....

(l) 18,19, 20, 21,वीं क्रियाओं के नाम लिखिए।

....

....

प्र. 6- निम्न प्रश्नों के उत्तर दो तीन वाक्यों में दीजिए -(कोई तीन) **3x3= (9)**

(a) मेरे सहोदर छोटा भाई होगा, यह बात देवकी को कृष्ण ने कही, किन्तु उसके दीक्षित होने की बात क्यों नहीं कही?

....

....

....

(b) भिक्षु प्रतिमा पालन के कोई दो नियम लिखिए।

....

....

....

(c) सुरा, अग्नि एवं द्वीपायन ऋषि, ये द्वारिका विनाश के कारण क्यों और कैसे बने ?

....

....

....

(d) श्रीकृष्ण अपनी माता के चरण- वन्दन के लिए छः माह में जाते थे इसका क्या कारण है?

....

....

....

प्र.7 निम्न रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - **(5x3=(15)**

(a) स्वर्गापवर्ग ....

....

....

.... प्रयोज्यः।।

(b) वल्गातुरंग ....

....

....

.... भिदामुपैति।।

(c) मत्तद्विपेन्द्र ....

....

....

....मतिमानधीते।।

(d) उद्भूत भीषण ....

....

....

.... मकरध्वजतुल्यरूपाः

(e) उन्निद्रहेम ....

....

....

.... परिकल्पयन्ति।

प्र.8 -निम्न को पूर्ण करके उनका अर्थ लिखिए - **(4x3=(12)**

(a) **अट्ठावए य नालीए .... ।**

..समारंभ च जोइणो।।

अर्थ -...

...

...

(b) **आयावयंति.. ।**

...संजया सुसमाहिया।।

अर्थ -...

...

...

(c) **उद्देसियं ....**

...वीअणे।।

अर्थ -...

...

...

(d) **गिहिणो .... ।**

..आउरस्सरणाणि य।।

अर्थ -...

...

...